प्रादर्श परीक्षा, 2014

कक्षा—XII

हिंदी (कोर)

निर्धारित समय : तीन घंटे **अधिकतम अंक : 100**

खंड—क

1. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $1 \times 5 = 5$

खिड़की से झांकती दों आंखें उदास।
ऐसे में कोई आ जाये जो पास॥
बीसों प्रतीक्षाओं का जूठन है
दर्द में दबाया यह भारी मन है,
एक गंध जूड़े की रूठी सौ बार
पलकों में छाया सावन-घन है।
सावन की खारा-जल मिटे नहीं प्यास।
खिड़की से झांकती दो आंखें उदास॥
सेज के सुमन सारे सूखे हैं
गीतों के बोल-कंठ रूखे हैं,
काटी न जाय सौगंध भरी रात
बिस्तर के सिकन राम भूखे हैं।
कब तक रहेगा इस घर में वनदास।
खिड़की से झांकती दो आंखें उदास॥
नयनों के कोर भरे दिन हैं
कंगन ये खनकाए बिन हैं,
यादों की गांठ बंधे और कितने
गिनने में लगते कठिन हैं।
आंचल में मनुआ का कितना उपहास।
खिड़की से झांकती दो आंखें उदास।

(क) खिड़की से झांकती आंखें कैसी हैं और वे क्या पाना चाहती हैं?
(ख) कवि के हृदय की अवस्था क्या है?
(ग) कवि को सावन कैसा प्रतीत होता है?
(घ) कवि का विरह किस प्रकार प्रकट हुआ है?
(ङ) कविता के भाव स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए—

मैं घहरते हुए सावन-भादों में भी वहाँ गया हूँ और मैंने इस प्रपात के उद्दम यौवन के उस महावेग को भी देखा है जो सौ-डेढ़-सौ फीट की अपनी चौड़ी धारा की प्रबल भुजाओं में धरती के चटकीले धानी आंचर में उफनाते सावन को कस लेने के लिए व्याकुल हो जाता है और मैंने देखा है कि अंबर के महलों में घनालिंगन करने वाली सौदामिनी धरती के इस सौभाग्य की ईर्ष्या में तड़प उठती है, तब उस तड़पन की कौंध में इस प्रपात का उमड़ाव फूलकर दुगना

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 + 2 + 2 = 6

(क) आप जानते हैं कि कार्यक्रम रोचक बनाने के वास्ते
हम पूछ-पूछकर उसको रुला देंगे
इंतज़ार करते हैं आप भी उसके रो पड़ने का
करते हैं ?
यह प्रश्न पूछा नहीं जाएगा।

(*i*) कवि की भावाभिव्यक्ति की शैली को स्पष्ट करें।

(*ii*) इस काव्यांश के शिल्पगत सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) इस काव्यांश में निहित भावगत व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) प्रात: नभ था—बहुत नीला, शंख जैसे,
भोर का नभ,
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)

(*i*) कवि की कल्पना-शक्ति को किस शब्दावली ने प्रस्तुत करने में सफलता प्राप्त की ?

(*ii*) बिंब विधान पर टिप्पणी करें।

(*iii*) कवि ने किस प्रकार की आलंकारिक योजना की है ?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 3 + 3 = 6

(*i*) 'पतंग' कविता के आधार पर प्रकृति में होने वाले परिवर्तन का वर्णन कीजिए।

(*ii*) 'बात सीधी थी पर' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता में कवि ने अपना सर्वस्व किसे और क्यों समर्पित किया है ?

11. निम्नलिखित गद्यांश में से किसी **एक** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 2 × 4 = 8

(क) अंग्रेज़ चले गए पर क्या हम आज भी सच्चे अर्थों में आज़ाद हो पाए। क्या अपनी रहन-सहन, उनकी भाषा, उनकी संस्कृति से आज़ाद होकर अपने देश के संस्कारों को समझ पाए। हम आज देश के लिए **करते क्या हैं ? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नाम-निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है।**

(*i*) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) हमारी आज़ादी पर लेखक को संदेह क्यों है ?

(*iii*) हमारी संस्कृति और संस्कार कैसे और क्यों हो गए हैं ?

(*iv*) हमारा मुख्य लक्ष्य क्या बन गया है और क्यों ?

(ख) दरअसल सिद्धांत कला को जन्म नहीं देते, कला स्वयं अपने सिद्धांत या तो लेकर आती है या बाद में उन्हें गढ़ना पड़ता है। जो करोड़ों लोग चार्ली को देखकर अपने पेट दुखा लेते हैं उन्हें मैल ओटिंगर या जेम्स एजी की बेहद सारगर्भित समीक्षाओं से क्या लेना-देना ? वे चार्ली को समय और भूगोल से काट कर देखते हैं और जो देखते हैं उसकी ताकत अब तक ज्यों-की-त्यों बनी हुई है।

(*i*) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) सिद्धांत कला को जन्म क्यों नहीं देते ?

(*iii*) 'चार्ली को देखकर पेट दुखा लेने' से क्या आशय है ?

(*iv*) किन-की ताकत अब तक बनी हुई है और क्यों ?

4. देश भर में बढ़ती हुई महंगाई पर रोक लगाने के लिए संपादक, दैनिक हिंदुस्तान, नई दिल्ली को पत्र लिखिए। 5

अथवा

मुंबई विश्वविद्यालय में प्राध्यापक के पद के लिए आवेदन-पत्र लिखिए।

5. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक-दो** वाक्यों में दीजिए— $1 \times 5 = 5$

(क) विश्व में इंटरनेट का पहला और दूसरा दौर कब से कब तक था ?

(ख) समाचार लेखन में छह 'ककार' क्या हैं ?

(ग) रेडियो कैसा जनसंचार माध्यम है ? इसमें किसका मेल होता है ?

(घ) आजकल टेलीप्रिंटर पर एक सेकेंड में कितने शब्द भेजे जा सकते हैं ?

(ङ) नई वेब भाषा को क्या कहते हैं ?

6. विद्यालय में आयोजित वार्षिक पुरस्कार-वितरण समारोह की रिपोर्ट लिखिए। 5

अथवा

हाल में ही पढ़ी गई किसी पुस्तक की समीक्षा

7 'नन्हे कंधों पर बस्ते का बोझ' ***अथवा*** 'एक कामकाजी औरत की शाम' विषय पर लगभग 150 शब्दों में फ़ीचर लिखें। 5

खंड—ग

8 निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** के दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $2 \times 4 = 8$

(क) नीला जल में या
किसी की गौर, झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो।
और .....
जादू टूटता है इस उषा का अब
सूर्योदय हो रहा है।

(*i*) कवि ने भोर के नभ का वर्णन किस प्रकार किया है ?

(*ii*) उषा का जादू कब टूटता है ?

(*iii*) नीले जल की कवि ने क्या विशेषता व्यक्त की है ?

(*iv*) सूर्योदय होने पर क्या होता है ?

(ख) अगर वे कभी गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से
और बच जाते हैं तब तो
और भी निडर होकर सुनहले सूरज के सामने आते हैं
पृथ्वी और भी तेज़ घूमती हुई आती है
उनके बेचैन पैरों के पास।

(*i*) बच्चे निडर होकर किसके सामने आते हैं ?

(*ii*) बच्चे निडर होकर सूर्य के सामने कब आते हैं ?

(*iii*) बच्चों के सूर्य के सामने आने पर क्या होता है ?

(*iv*) 'उनके बेचैन पैरों' से कवि का क्या आशय है ?

हो जाता है। शरद की शुभ्र ज्योत्स्ना में जब यामिनी पुलकित हो गयी है और जब इस प्रपात के यौवन का मद खुमार पर आ गया है और उस खुमारी में इसका सौंदर्य मुग्धा के वदनमंडल की भांति और अधिक मोहक बन गया है, तब भी मैंने इसे देखा है और तभी जाकर मैंने शरदिंदु को इस प्रपात की शांत तरल स्फटिक-धारा पर बिछलते हुए देखा है। पहली बार जब मैं गया था तो वहाँ ठहरने के लिए कोई स्थान बना नहीं था और इसलिए खड़ी दुपहरी में चट्टानों की ओट में ही छाँह मिल सकी थी। ये भूरी-भूरी चट्टानें पानी के आघात से घिस-घिसकर काफ़ी समतल बन गई हैं और इनका ढाल बिलकुल खड़ा है। इन चट्टानों के कगारों पर बैठकर लगभग सात-आठ हाथ दूर प्रपात के सीकरों का छिड़काव रोम-रोम से पिया जा सकता है। इन शिलाओं से ही कुंड में छलाँग मारने वाले धंवल जल-बादल पेंग मारते से दिखाई देते हैं और उनके मंद गर्जन का स्वर भी जाने किस मलार के राग में चढ़ता-उतरता रहता है कि मन उसमें खो-सा जाता है। एक शिला की शीतल छाया में कगार के नीचे पैर डाले मैं बड़ी देर तक बैठे-बैठे सोचता रहा कि मृत्यु के गहन कूप की जगत् पर पैर लटकाए भले ही कोई बैठा हो, किंतु यदि उसे किसी ऐसे सौंदर्य के उद्रेक का दर्शन मिलता रहे तो वह मृत्यु की भयावह गहराई भूल जाएगा। मृत्यु स्वयं ऐसे उन्मादी सौंदर्य के आगे हार मान लेती है, नहीं तो समय की कसौटी पर यौवन का गान अमिट स्वर्ण-रेखा नहीं खींच सकता था। मिट्टी में खिले हुए गुलाब की पंखुड़ियां भर जाती हैं और उनको झरते देख मृत्यु हँसना चाहती है, पर उस मिट्टी में से जब गुलाब की गंध ओस पड़ने पर उसाँस की भांति निकल पड़ती है, तब मृत्यु गलकर पानी हो जाती है। मैं सोचता रहा कि यहाँ जो अजर-अमर सौंदर्य उमड़ा चला जा रहा है, वह स्वयं विलय का सौंदर्य है। विलय मटमैली धारा का शुभ्र जल-कणों में, शुभ्र जल-कणों की राशि का शुभ्रतर वाण में और वाष्प का सौंदर्य के रस-भरे जूही-लदे घुँघराले और लहरीले चूड़ापाश में। यह चूड़ापाश जूहियों से इस तरह सज जाता है कि उसके निचले छोर की श्यामलता भर दिखाई पड़ सकती है, एक अद्‌वितीय चाँदनी उसे ऊपर से छाप लेती है। मैंने देखा कि सांझ हो आयी है। सूर्य की तिरछी किरणें जाते-जाते इस सौंदर्य का रहस्य-भेदन करते जाना चाहती हैं। पर जैसे प्रपात जाने कितने कवच-मंत्र उच्चारण करता हुआ और मुखर हो रहा है और अपने को इस प्रकार समेट रहा है कि रवि-रश्मियों को प्रयत्न आप से आप विफल हो रहा है।

(क) अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए। 1

(ख) 'स्फटिक-धारा' का क्या आशय है ? यह कहाँ थी ? 2

(ग) शरद की चाँदनी में जल प्रपात लेखक को कैसा प्रतीत हुआ था ? 2

(घ) जब लेखक पहली बार वहाँ गया था तो कहाँ रुका था ? 2

(ङ) लेखक की दृष्टि में मृत्यु किस के आगे हार मान लेती है ? 2

(च) सूर्य की किरणें जल प्रपात को क्या प्रदान करती हैं ? 2

(छ) 'प्रबल' और 'पुलकित' शब्दों से एक-एक वाक्य बनाइए। 1

(ज) 'यामिनी' और 'रवि' के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। 1

(झ) 'मटमैली' और 'श्यामलता' में प्रत्यय छाँट कर लिखें। 1

(ञ) 'शुभ्र' और 'सौभाग्य' के विलोम शब्द लिखिए। 1

खंड—ख

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए— 5

(*i*) विज्ञान वरदान के रूप में

(*ii*) आत्म-निर्भरता

(*iii*) आधुनिकता और भारत

(*iv*) कंम्प्यूटर और हम।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $3 \times 4 = 12$

(क) भक्तिन के आने से लेखिका के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ?

(ख) 'बाज़ार दर्शन' पाठ में 'बाज़ारूपन' से क्या आशय है ? इससे क्या लाभ और हानि है ?

(ग) 'नमक' कहानी में जीत किसकी और कैसे हुई ?

(घ) अनावृष्टि, मलेरिया और हैजे से लुट्टन पहलवान के गाँव की क्या दशा हो गई थी ?

(ङ) 'इंद्र सेना' को लोग 'मेंढक मंडली' क्यों कहते थे ? गाँव में इनका क्या महत्त्व था ?

---

13. संयुक्त परिवार भारतीय संस्कृति के अनूठे स्तंभ रहे हैं। जो बहुत ही लाभकारी एवं श्रेष्ठ थे आपके विचार से संयुक्त परिवार कितने लाभकारी हो सकते हैं? (5)

14 (i) 'जूझ' कहानी प्रतिकूल परिस्थितियों से संघर्ष की प्रेरक कथा है। इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। (5)

(ii) यशोधर बाबू को अपने परिवार के सदस्यों से (5)
किस प्रकार की शिकायतें हैं? वर्णन करें